आयुष्मान भारत, मध्यप्रदेश
दीनदयाल स्वास्थ्य सुरक्षा परिषद
प्रथम तल, आई.ई.सी. ब्यूरों,
जय प्रकाश अस्पताल परिसर, भोपाल

क्रमांक / इ.ओ / आयु.भा / 2018 / 64 भोपाल, दिनांक 29/09/2018.

प्रति,

समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मध्यप्रदेश।

विषय :– माननीय प्रधानमंत्री जी का संदेश ।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेन्सी से माननीय प्रधानमंत्री जी का संदेश SECC में चिन्हांकित हितग्राहियो के लिए सामाजिक, आर्थिक, जाति संदेश प्राप्त हुआ है।

उक्त संदेश को 100gsm A4 पेपर पर प्रिंट करा कर आपके जिले की चिन्हांकित SECC हितग्रही को उक्त संदेश की प्रति 02 अक्टूबर 2018 या उससे पहले प्रदाय की जानी है।

उक्त संदेश की प्रिंटींग पर खर्च होने वाली राशि आयुष्मान भारत म.प्र निरामायम् कार्यलय के द्वारा प्रथक से प्रेषित की जावेगी ।

Ruhi
(रुही खान)
अपर संचालक सह
कार्यपालन अधिकारी

पृष्ठा क्रमांक / इ.ओ / आयु.भा / 2018 / 65 भोपाल, दिनांक 29/09/2018

प्रतिलिपि : सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

1. अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्यप्रदेश।
2. आयुक्त स्वास्थ्य, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें भोपाल।
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आयुष्मान भारत मध्यप्रदेश।
4. समस्त क्षेत्रिय संचालक, स्वास्थ्य सेवाऐं म.प्र. ।
5. समस्त सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक मध्यप्रदेश।
6. समस्त जिला कियांवयन इकाई, नोडल अधिकारी (जिला मलेरिया अधिकारी) एवं जिला मिडिया अधिकारी कृपया उक्त कार्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सहयोग प्रदान करें।

Ruhi
अपर संचालक सह
कार्यपालन अधिकारी

स्नेही श्री/श्रीमती

एक राष्ट्र की सफलता में उसके हर नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण होता है। नागरिकों के सपनों और आकांक्षाओं की पूर्ति ही राष्ट्र की तरक्की सुनिश्चित करती है। आज समाज का हर वर्ग स्वयं के साथ–साथ देश को आगे ले जाने के लिए प्रयासरत है।

हमारे गरीब भाई–बहन भी कठोर परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति से अपना वर्तमान और भविष्य बदलने और बेहतर बनाने के लिए संघर्षरत हैं। मैंने गरीबी को बहुत करीब से देखा है, जिया है और मैं यह जानता हूँ कि हर गरीब का आत्मबल और स्वाभिमान बहुत ऊँचा होता है। यही वो शक्ति है, जो उन्हें विपरीत परिस्थितियों को परास्त करने की ऊर्जा और साहस देती है।

अपने अनुभव से मैं कह सकता हूँ कि गरीबों के उत्थान के लिए सर्वोत्तम मार्ग अगर कोई है, तो वो है उन्हें सशक्त बनाना। इसलिए जब से आपने मुझे प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सेवा का दायित्व सौंपा है, तब से मेरा प्रयास रहा है कि देशभर में गरीबों का सशक्तिकरण हो, सामान्य नागरिकों का सशक्तिकरण हो, महिलाओं का सशक्तिकरण हो।

इस दिशा में 'आवास से आमदनी तक', 'शिक्षा से स्वास्थ्य तक' की हर सुविधा को आमजन के जीवन से जोड़कर हम उन्हें सशक्त बना रहे हैं, जैसे–

'प्रधानमंत्री आवास योजना' पक्के घर देकर गरीब परिवारों को कच्चे घरों की असुरक्षा और अनहोनी की आशंकाओं से मुक्त कर रही है। इसके साथ ही ये घर महिलाओं के नाम पर दिए जाते हैं, जो उनके स्वाभिमान को बढ़ाता है।

'सौभाग्य योजना' से जब हर घर बिजली पहुँच रही है, तो सिर्फ दशकों का अंधियारा नहीं छँटा है, कई जीवन रोशन हुए हैं, कई उम्मीदों को पंख लगे हैं।

हमारे देश की करोड़ों बहनें धुएँ से भरी रसोई में भोजन पकाती थीं, जिसका बुरा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता था और समय भी नष्ट होता था। अब 'उज्ज्वला' योजना के माध्यम से उनके पास स्वच्छ ईंधन की शक्ति है। इससे उनका जो समय बचता है, उसमें वो धनोपार्जन या कुछ और अतिरिक्त कार्य करके अपने और अपने परिवार की प्रगति में योगदान दे रही हैं।

जो गरीब दशकों तक बैंक के अंदर जाने में भी संकोच करते थे, अब बैंक उनके घर तक पहुँचे हैं। 'जन–धन' खाते ने उनको नया हौसला दिया है।

प्रतिदिन 90 पैसे वाली 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' हो, महीने के 1 रुपये वाली 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' हो, 'अटल पेंशन योजना' हो, या फिर 'प्रधानमंत्री वय वंदना योजना', ये सब योजनाएं आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को सशक्त बना रही हैं, जिससे संकट के समय वो मज़बूती के साथ खड़े रहें, जीवन से बिना घबराए–बिना हारे।

'मुद्रा योजना' बिना गारंटी लोन देकर करोड़ों गरीब और मध्यमवर्गीय युवाओं के सपने सँवार रही है। उन्हें अपने हुनर के बल पर, बिना किसी के आगे हाथ फैलाए आगे बढ़ने का अवसर मिला है।

ऐसी अनेक योजनाएं सामान्य नागरिकों की ताकत बनकर उन्हें सशक्त कर रही हैं। लेकिन इन सब के बावजूद अगर किसी गरीब परिवार में बीमारी आ जाए, तो सारे प्रयास अधूरे रह जाते हैं। इसलिए गरीबों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिए हमने एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है, और वो है गंभीर बीमारियों से लड़ने और जीतने का विश्वास देती – प्रधानमंत्री जन–आरोग्य योजना, Prime Minister Jan Arogya Yojana (PM-JAY), आयुष्मान भारत।

इसके तहत लगभग 10 करोड़ परिवार यानि करीब 50 करोड़ लोगों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यानि अब अगर आपके परिवार में कोई भी गंभीर बीमारी आती है, तो उसके इलाज के लिए एक साल में 5 लाख रुपये तक का खर्च सरकार देगी।

आप अपने क्षेत्र के साथ–साथ देशभर के किसी भी सरकारी या चयनित निजी अस्पतालों में इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। मुझे पूरी आशा है कि आपको सर्वोत्तम उपचार मिलेगा, खर्च की चिंता किए बिना मिलेगा और बिना किसी कठिनाई के मिलेगा।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि आप और आपका परिवार सुखी रहे, रोगमुक्त रहे, अपनी और राष्ट्र की प्रगति के लिए कार्यशील रहे।

आपका

नरेंद्र मोदी